आञ्जनेय रघुरामदूत

रागम्: सावेरि ताळम्: आदि

(श्री स्वाति तिरुनाळ् विरचित)

पल्लवि

आञ्जनेय रघुरामदूत महितानुभाव पाहि

अनुपल्लवि

कुञ्जरवरेण्यायुतसत्व
सुरञ्जितामर मुनीश्वर सन्ततम्

चरणम्

दिनकर भीकर शैशवलील

दीप्तिविनिर्जित काञ्चनशैल

घनदशकन्धरसोदरशूलखण्डन शुभलील

जनकसुतदि विमोचन लोल

जम्बुमालिखल निशिचरकाल

वनधितरणचण निज लाङ्गूल
वह्निदग्ध लङ्कनगर ॥ १ ॥

परमभयनक सङ्गरधीर

प्रबल जवयुत समीरकुमार

करतलघात हताक्षकुमार कपिवरकुलशूर

सुरनरकिन्नरनुत गुणवार

सूर्यगृहीत पदागमसार

सरभसकदळीविपिनविहार

चण्डसिंहिका दशनानुवार ॥ २ ॥

विमलहमौषधी शैलानयन

विश्रुतवीर्य सुपाटलनयन

दमितवीरयूपाक्षसंहनन दलिताशोकवन

विमतकम्बन काननदहन

विकटमुष्टि मूर्च्छित दशवदन

कमलनाभ शुभचरित निशमन

कलित मोदभर सादरमनुदिनम् ॥ ३ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇